Vishwakarma Aarti Lyrics in Hindi English

Vishwakarma Aarti Lyrics in Hindi

जय श्री विश्वकर्मा प्रभु,
जय श्री विश्वकर्मा ।
सकल सृष्टि के करता,
रक्षक स्तुति धर्मा ॥

जय श्री विश्वकर्मा प्रभु,
जय श्री विश्वकर्मा ।

आदि सृष्टि मे विधि को,
श्रुति उपदेश दिया ।
जीव मात्र का जग में,
ज्ञान विकास किया ॥

जय श्री विश्वकर्मा प्रभु,
जय श्री विश्वकर्मा ।

ऋषि अंगीरा तप से,
शांति नहीं पाई ।
ध्यान किया जब प्रभु का,
सकल सिद्धि आई ॥

जय श्री विश्वकर्मा प्रभु,
जय श्री विश्वकर्मा ।

रोग ग्रस्त राजा ने,
जब आश्रय लीना ।
संकट मोचन बनकर,
दूर दु:खा कीना ॥

जय श्री विश्वकर्मा प्रभु,
जय श्री विश्वकर्मा ।

जब रथकार दंपति,
तुम्हारी टेर करी ।
सुनकर दीन प्रार्थना,
विपत सगरी हरी ॥

जय श्री विश्वकर्मा प्रभु,
जय श्री विश्वकर्मा ।

एकानन चतुरानन,
पंचानन राजे।
त्रिभुज चतुर्भुज दशभुज,
सकल रूप साजे ॥

जय श्री विश्वकर्मा प्रभु,

जय श्री विश्वकर्मा ।

ध्यान धरे तब पद का,
सकल सिद्धि आवे ।
मन द्विविधा मिट जावे,
अटल शक्ति पावे ॥

जय श्री विश्वकर्मा प्रभु,
जय श्री विश्वकर्मा ।

श्री विश्वकर्मा की आरती,
जो कोई गावे ।
भजत गजानांद स्वामी,
सुख संपति पावे ॥

जय श्री विश्वकर्मा प्रभु,
जय श्री विश्वकर्मा ।
सकल सृष्टि के करता,
रक्षक स्तुति धर्मा ॥

Vishwakarma Aarti Lyrics in English

Jai Shri Vishwakarma Prabhu,
Jai Shri Vishwakarma,
Sakal Srishti ke karta,
Rakshak Stuti Dharmā.

Jai Shri Vishwakarma Prabhu,
Jai Shri Vishwakarma.

Aadi Srishti mein Vidhi ko,
Shruti Upadesh Diya,
Jeev maatra ka jag mein,
Gyaan Vikas kiya.

Jai Shri Vishwakarma Prabhu,
Jai Shri Vishwakarma.

Rishi Angira tap se,
Shanti nahi pai,
Dhyaan kiya jab Prabhu ka,
Sakal Siddhi aayi.

Jai Shri Vishwakarma Prabhu,
Jai Shri Vishwakarma.

Rog grast raja ne,
Jab aashray liya,
Sankat mochan ban kar,
Door dukhon kiya.

Jai Shri Vishwakarma Prabhu,

Jai Shri Vishwakarma.

Jab Rathkar dampati,
Tumhari ter kari,
Sunkar deen prarthna,
Vipat sagri hari.

Jai Shri Vishwakarma Prabhu,
Jai Shri Vishwakarma.

Ekanan chaturanan,
Panchanan raje,
Tribhuja chaturbhuj dashbhuj,
Sakal roop saaje.

Jai Shri Vishwakarma Prabhu,
Jai Shri Vishwakarma.

Dhyaan dhare tab pad ka,
Sakal siddhi aave,
Man dvividha mit jave,
Atal shakti paave.

Jai Shri Vishwakarma Prabhu,
Jai Shri Vishwakarma.

Shri Vishwakarma ki Aarti,
Jo koi gaave,
Bhajat Gajanan Swami,
Sukh Sampatti paave.

Jai Shri Vishwakarma Prabhu,
Jai Shri Vishwakarma,
Sakal Srishti ke karta,
Rakshak Stuti Dharmā.

About Vishwakarma Aarti in English

Vishwakarma Aarti is a devotional hymn dedicated to Lord Vishwakarma, the divine architect, and craftsman in Hindu mythology. Lord Vishwakarma is regarded as the creator of the universe's intricate structures, and he is believed to have constructed many divine cities, including Lanka for Lord Ravana. His skills in architecture, engineering, and craftsmanship are unparalleled, and he is worshipped by artisans, workers, and engineers across the world for his blessings in their respective crafts.

The Aarti praises Lord Vishwakarma for his immense contributions to the creation of the world and his ability to provide protection and support to those who seek his blessings. The verses in the Aarti highlight his role in the creation of various celestial objects and his ability to remove obstacles and ensure success in work and business. Devotees believe that chanting this Aarti with devotion brings peace, prosperity, and success in their professional and personal lives.

The Aarti also celebrates his qualities of wisdom, strength, and creativity, invoking his divine presence to grant stability, safety, and the removal of obstacles in all endeavors. The hymn is often

recited during Vishwakarma Jayanti, a day dedicated to honoring Lord Vishwakarma and his exceptional craftsmanship.

About Vishwakarma Aarti in Hindi

विष्कर्मा आरती के बारे में हिंदी में

विष्कर्मा आरती भगवान विष्कर्मा को समर्पित एक अत्यधिक श्रद्धापूर्ण गीत है। भगवान विष्कर्मा हिंदू धर्म के दिव्य शिल्पकार और वास्तुकार माने जाते हैं। उन्हें सम्पूर्ण ब्रह्मांड के निर्माण का श्रेय प्राप्त है और उन्होंने भगवान राम के लिए लंका, भगवान शिव के लिए कैलाश, और अन्य देवी-देवताओं के लिए महलों और भवनों का निर्माण किया था। उनकी पूजा विशेष रूप से कारीगरों, इंजीनियरों और निर्माण कार्य से जुड़े लोगों द्वारा की जाती है।

विष्कर्मा आरती भगवान विष्कर्मा की महिमा का गान करती है, जिसमें उनके द्वारा की गई अनगिनत रचनाओं और उनके द्वारा दी गई शक्ति और बुद्धि का वर्णन है। इस आरती के माध्यम से भगवान विष्कर्मा से उनके आशीर्वाद की प्रार्थना की जाती है, ताकि कार्यों में सफलता, समृद्धि और समग्र जीवन में शांति प्राप्त हो सके।

यह आरती न केवल उनके कृतित्व की सराहना करती है, बल्कि उनके भक्तों को समृद्धि, रचनात्मकता और सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित भी करती है। विष्कर्मा जयंती के दिन विशेष रूप से यह आरती गाई जाती है, ताकि भगवान विष्कर्मा का आशीर्वाद प्राप्त किया जा सके।